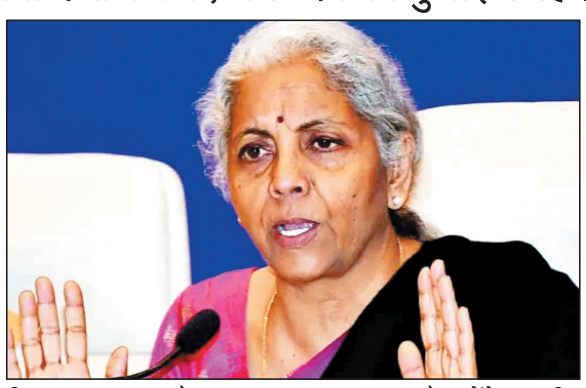
भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अटका

सीतारमण बोलीं- दोनों देशों के लिए लेन-देन की गुंजाइश बेहद सीमित, कई मुद्दों पर बनी हुई है असहमति

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली,6 अक्टूबर .भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते की बातचीत फिलहाल ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है, जहां दोनों देशों के लिए एक-दूसरे को रियायत देना आसान नहीं रह गया है.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि बातचीत बेहद कठिन दौर से गुजर रही है और दोनों पक्षों के बीच समझौते की गुंजाइश काफी सीमित दिखाई दे रही है.हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर दोनों देशों के पास आगे बढ़ने के लिए कुछ जगह बची है तो बातचीत के जरिए रास्ता निकाला जा सकता है.



सीतारमण ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों की प्रमुख विशेषता यह है कि व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है.इसके विपरीत चीन के साथ भारत को भारी व्यापार घाटे का सामना करना पड़ता है.उन्होंने कहा कि पहले व्यापार असंतुलन दूर करने के लिए बातचीत को प्रमुख माध्यम माना जाता था, लेकिन अब शुल्क को भी दबाव और बातचीत के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है.

यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने हाल ही में कहा था कि समझौते पर हस्ताक्षर जल्द होने वाले नहीं हैं.उनके मुताबिक दोनों देशों ने उन वस्तुओं और मुद्दों की पहचान कर ली है, जिन पर अभी भी सहमति नहीं बन पाई है.वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 29 सितंबर से अमेरिका में हैं और व्यापार समझौते को लेकर बातचीत कर रहे हैं.

रूस से तेल खरीद भी बड़ी अड़चन

भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों पर रूस से तेल खरीद का मुद्दा भी दबाव बढ़ा रहा है .अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस और ईरान से जुड़े नए प्रतिबंध कानून को मंजूरी दिए जाने के बाद भारत जैसे देशों पर ऊंचे शुल्क का खतरा बढ़ गया है .इसके अलावा अमेरिका ने भारत के औद्योगिक उत्पादन और कथित अतिरिक्त क्षमता को लेकर व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत जांच शुरू की है . भारतीय निर्यातकों के मुताबिक, इन अनिश्चितताओं का असर अमेरिकी ऑर्डरों पर दिखने लगा है .अमेरिकी खरीदार बड़े पैमाने पर ऑर्डर देने के बजाय आयात के स्रोतों में विविधता ला रहे हैं .ऐसे में समझौता लंबा खिंचने पर भारतीय निर्यातकों के लिए ऑर्डर और बाजार हिस्सेदारी दोनों पर दबाव बढ़ सकता है .

देश के सेवा क्षेत्र ने पकड़ी रफ्तार

- नए कारोबार की रफ्तार भी तीन महीने में सबसे तेज
- वित्त-बीमा और उपभोक्ता सेवाओं में सबसे ज्यादा तेजी



नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली,6 अक्टूबर . देश के सेवा क्षेत्र ने सितंबर में फिर रफ्तार पकड़ी. एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई अगस्त के 54.1 से बढ़कर सितंबर में 55.2 पर पहुंच गया.यह जून के बाद सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में सबसे तेज विस्तार है.

नए कारोबार में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई और इसकी रफ्तार तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई.मजबूत घरेलू मांग ने सेवा क्षेत्र की वृद्धि को सबसे बड़ा सहारा दिया. सितंबर में डिजिटल समाधान, खाद्य सेवाओं, बीमा, कर्ज, सॉफ्टवेयर, परिवहन और पर्यटन एवं यात्रा से जुड़ी सेवाओं की मांग में मजबूती रही.वित्त एवं बीमा तथा उपभोक्ता सेवाओं में गतिविधियों और बिक्री की वृद्धि सबसे अधिक रही.

एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी के मुताबिक, घरेलू मांग मजबूत बनी रही, जबकि निर्यात कारोबार में भी विस्तार जारी रहा.हालांकि, निर्यात वृद्धि की रफ्तार घरेलू मांग की तुलना में धीमी रही.जर्मनी, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और अमेरिका से भारतीय सेवाओं की मांग में सितंबर में सुधार दर्ज किया गया.

सेवा कंपनियों में रोजगार भी बढ़ा, हालांकि अगस्त की तुलना में नई नौकरियां पैदा होने की गति धीमी रही .अच्छी बात यह रही कि कंपनियों पर लागत का दबाव कम हुआ .इनपुट कीमतों में महंगाई नवंबर 2025 के बाद सबसे निचले स्तर पर रही .बिक्री कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार भी जून के बाद सबसे कम रही .इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कम्पोजिट पीएमआई अगस्त के 54 .3 से बढ़कर सितंबर में 55 .9 पर पहुंच गया .यह जून के बाद निजी क्षेत्र के उत्पादन में सबसे तेज विस्तार है .

नवी मुंबई एयरपोर्ट पर बढ़ेगी हवाई खानपान की क्षमता

- 40 से अधिक उड़ानों के लिए रोज तैयार होता है भोजन
- विंटर 2026-27 से बढ़ते उड़ान संचालन को मिलेगा फायद

मुंबई, 6 अक्टूबर. नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने विमानन खानपान कंपनी ताजएसएटीएस के साथ साझेदारी की है. एयरपोर्ट परिसर में संचालित इन-फ्लाइट कैटरिंग सुविधा विंटर 2026-27 शेड्यूल से बढ़ते एयरलाइन संचालन को खानपान सहायता देने के लिए तैयार है. यह शेड्यूल 25 अक्टूबर से 27 मार्च 2027 तक चलेगा. एयरपोर्ट परिसर में स्थित ताजएसएटीएस का फ्लाइट किचन फिलहाल रोजाना 40 से अधिक उड़ानों के लिए भोजन तैयार कर रहा है. इसकी मौजूदा क्षमता प्रतिदिन 7,500 भोजन तैयार करने की है. यात्रियों और उड़ानों की संख्या बढ़ने पर इसे बढ़ाकर रोजाना 15,000 भोजन तक किया जा सकता है.

उड़ानों के पास ही खानपान की सुविधा

एयरपोर्ट के मुख्य एयरपोर्ट अधिकारी सुभाष मुरिकेंचरी ने कहा कि जैसे-जैसे एयरपोर्ट का एयरलाइन नेटवर्क बढ़ रहा है, सहायक ढांचे को भी उसी अनुपात में विस्तार देना जरूरी है . उनके मुताबिक ताजएसएटीएस का फ्लाइट किचन बढ़ती मांग को पूरा करने के साथ यात्रियों के खानपान अनुभव को बेहतर बनाने में मदद करेगा .

वायरलाइन ब्रॉडबैंड में जियो नंबर वन

- मोबाइल ग्राहक संख्या 5 .11 करोड़
- ब्रॉडबैंड बाजार में जियो का दबदबा

नवभारत कनेक्ट

भोपाल, 6 अक्टूबर. मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में डिजिटल क्रांति को नई गति देते हुए रिलायंस जियो की जियोफाइबर और एयरफाइबर सेवाएं तेजी से लोगों की पहली पसंद बन रही हैं.इन सेवाओं के माध्यम से अब तक दोनों राज्यों में 22.27 लाख से अधिक घर हाई-स्पीड इंटरनेट से जुड़ चुके हैं.

टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, जियो ने एक बार फिर मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सर्किल में सबसे अधिक मोबाइल और ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबर जोड़े हैं.अगस्त 2026 में जियो से 2.07 लाख नए मोबाइल सब्सक्राइबर जुड़े, जबकि जिओ फाइबर और जिओ एयर फाइबर ब्रॉडबैंड सेवाओं को 61.5k नए उपभोक्ताओं ने अपनाया. मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ टेलीकॉम सर्किल के वायरलाइन मार्केट में जियो की हिस्सेदारी 61.9 फीसदी है, तो वहीं वायरलेस मार्केट शेयर 58.5 प्रतिशत तक पहुंच गया है.

टीआरएआइ के आंकड़ों के मुताबिक, मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सर्किल में कुल मोबाइल सब्सक्राइबर की संख्या 8.7 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जिसमें अकेले जियो के 5.11 करोड़ मोबाइल सब्सक्राइबर हैं.वहीं दोनों राज्यों में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सेगमेंट और वायरलाइन ब्रॉडबैंड ग्राहकों की कुल संख्या 36 लाख से अधिक है.इसमें जियो के 22.27 लाख से अधिक ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबर हैं, जो इस क्षेत्र में कंपनी की मजबूत पकड़ को दर्शाते हैं. जियोहोम ने डिजिटल मनोरंजन और हाई-स्पीड इंटरनेट को हर घर तक पहुंचाने के लिए बेहद किफायती सर्विस पैक पेश किए हैं.कंपनी ने विशेष रूप से टीवी मनोरंजन पसंद करने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए 'टीवी-ओनली' पैक लॉन्च किया है.

'वाई-फाई-ओनली' पैक

इसी तरह, केवल इंटरनेट की सुविधा चाहने वाले ग्राहकों के लिए 'वाई-फाई-ओनली' पैक भी उपलब्ध हैं .30 Mbps स्पीड वाला पैक 2,200 रुपये में 5 महीने के लिए उपलब्ध है, जिसकी प्रभावी मासिक लागत 450 रुपये प्रति माह है .वहीं, 100 Mbps स्पीड वाला पैक 3,000 रुपये में 5 महीने के लिए उपलब्ध है, जिसकी प्रभावी मासिक लागत 600 रुपये प्रति माह है . ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जियोहोम ने ऑल-इन-वन विकल्प भी उपलब्ध कराए हैं .3-इन-1 कॉम्बो पैक में 30 की इंटरनेट स्पीड, 1,000 लाइव टीवी चैनल और 12 ओटीटी ऐप्स की सुविधा उपलब्ध है .यह पैक 2,222 रुपये में 4 महीने के लिए लिया जा सकता है, जिसकी प्रभावी मासिक लागत 555 रुपये प्रति माह है .



त्योहारों से पहले ऑटो बाजार में बंपर उछाल

- दोपहिया वाहनों की बिक्री 33 .08% बढ़ी
- ईवी बिक्री 3 .34 लाख के रिकॉर्ड स्तर पर

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली , 5 अक्टूबर. त्योहारों से पहले देश के ऑटो बाजार में खरीदारी का जोर देखने को मिला है. फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस के आंकड़ों के मुताबिक सितंबर 2026 में देशभर में रिकॉर्ड 25,36,920 वाहनों की खुदरा बिक्री हुई.

यह पिछले साल सितंबर की तुलना में 31.82% अधिक है.अगस्त के मुकाबले भी बिक्री में 4.69% की बढ़ोतरी दर्ज की गई.फाडा के अनुसार सितंबर भारतीय ऑटो रिटेल के लिए अब तक का सबसे बेहतर सितंबर रहा है. बिक्री में उछाल की प्रमुख वजह त्योहारों की शुरुआती मांग और पिछले साल का कम आधार रही.

दोपहिया वाहनों की बिक्री 33.08% बढ़कर 17,90,188 यूनिट पहुंच गई.यात्री वाहनों की बिक्री 32.10% बढ़कर 4,27,213 यूनिट रही.कमर्शियल वाहनों की बिक्री में 37.62% की तेजी आई सितंबर में यह आंकड़ा एक लाख के पार पहुंचकर 1,03,557 यूनिट हो गया. थ्री-व्हीलर की बिक्री 22.25% बढ़कर 1,32,570 और ट्रैक्टर की बिक्री 13.75% बढ़कर 76,906 यूनिट रही.

ईवी की बिक्री ने बनाया नया रिकॉर्ड

ऑटो बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग भी तेजी से बढ़ी है .सितंबर में सभी श्रेणियों को मिलाकर 3 .34 लाख इलेक्ट्रिक वाहन बिके, जो अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है .कुल ऑटो रिटेल में ईवी की हिस्सेदारी करीब 13% रही .यात्री वाहनों में ईवी की हिस्सेदारी 8 .45% दर्ज की गई .वहीं, यात्री वाहनों में वैकल्पिक ईंधन वाली गाड़ियों की हिस्सेदारी 41% तक पहुंच गई . वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में भी वाहन बिक्री ने नया रिकॉर्ड बनाया .

एआई फोन पर बिग बिलियन डेज ऑफर

- नोवा और पल्स सीरीज पर विशेष कीमतों की घोषणा

नवभारत कनेक्ट

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर एआई+ स्मार्टफोन ने आज फ्लिपकार्ट के बिग बिलियन डेज़ 2026 में नोवा और पल्स सीरीज़ के लिए उत्सवकालीन कीमतों की घोषणा की.

8,999 से शुरू होने वाली यह सिरीज़ स्वच्छ डिज़ाइन, दीर्घकालिक बैटरी और दैनिक उपयोग के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रदान करती है, जो कि भारत में निर्मित और एनएक्सटीक्वांटम ओएस द्वारा संचालित है.



नोवा और पल्स को इस प्रकार तैयार किया गया है कि वे लोगों की वास्तविक उपयोग संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करें: पूरे दिन चलने वाली बैटरी, स्पष्ट कैमरे, सुचारु डिस्प्ले और ऐसी कीमतें जो सबकी पहुँच के भीतर रहें.पल्स 2 से लेकर नोवा 2 अल्ट्रा तक, तथा कुछ नया चाहने वालों के लिए नोवाफ्लिप, प्रत्येक मॉडल उन्नयन का एक ठोस कारण है, कोई समझौता नहीं.

नोवा और पल्स सीरीज

पल्स 2- 8,999 6000 एमएएच 50 मेगापिक्सेल एआई कैमरा

पल्स 2 एफई- 8,999 मीडियाटेक जी81 50 मेगापिक्सेल

नोवा 2 5जी- 11,999 6000 एमएएच 50 मेगापिक्सेल एआई डुअल 5जी

नोवा 2 नियो 5जी- 12,999 डायमेंसिटी 6300 सोनी आईएमएक्स582

नोवा 2 पावर 5जी- 15,999 / 16,999 7000 एमएएच डुअल-कलर डिज़ाइन

नोवा 2 प्रो 5जी- 16,999 / 17,999 डायमेंसिटी 7100

सेंसेक्स 685 अंक चढ़ा निफ्टी 22,700 के पार

- ट्रेंट के शेयर में 12 .78% की जोरदार तेजी

नवभारत न्यूज नेटवर्क

मुंबई, 5 अक्टूबर. बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में खरीदारी से घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को जोरदार तेजी रही.सेंसेक्स करीब 700 अंक चढ़कर 73 हजार के पार पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी करीब एक प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,700 के ऊपर बंद हुआ.

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया.अब बाजार की नजर बुधवार को आने वाले भारतीय रिजर्व बैंक के नीतिगत फैसले पर है.

सेंसेक्स 685.34 अंक यानी 0.95 प्रतिशत बढ़कर 73,067.81 पर बंद हुआ.वहीं निफ्टी 219.35 अंक यानी 0.98 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,776.10 पर पहुंच गया.

समाचार विशेष

मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट का आज मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ



- 34 देशों के 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि आएंगे
- मिंटो हॉल में 10 अक्टूबर तक होगा ट्रैवल मार्ट का आयोजन

भोपाल, 6 अक्टूबर. मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्थापत्य, जैव-विविधता और नैसर्गिक प्राकृतिक सौंदर्य को वैश्विक पटल पर नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से 'मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट' के सातवें संस्करण का आयोजन 7 से 10 अक्टूबर तक कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय मिंटो हॉल में किया जा रहा है.

यह प्रतिष्ठित आयोजन राज्य के पर्यटन परिदृश्य का अब तक का सबसे विशाल और रणनीतिक बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) नेटवर्किंग मंच सिद्ध होने जा रहा है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 7 अक्टूबर को मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट का शुभारंभ करेंगे. अध्यक्षता पर्यटन राज्य मंत्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी करेंगे.

मंत्री लोधी ने बताया कि मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट केवल एक व्यापारिक प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि यह प्रदेश के सर्वांगीण आर्थिक विकास, स्थानीय रोजगार सृजन और वैश्विक सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक प्रभावी माध्यम है. सचिव पर्यटन और प्रबंध संचालक एमपी टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैयाराजा टी. ने मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट की रूपरेखा, तैयारियों और रणनीतिक लक्ष्यों पर बताया कि राज्य शासन की सुदृढ़ और प्रगतिशील पर्यटन नीतियों के फलस्वरूप मध्यप्रदेश में पर्यटन ने अप्रत्याशित वृद्धि हासिल की है.

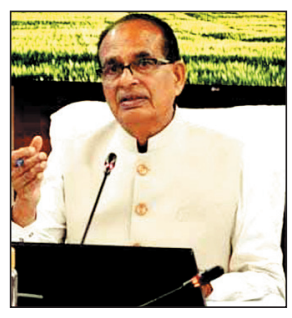
इस संस्करण में विश्व के 34 से अधिक प्रमुख देशों के 100 से अधिक विदेशी प्रतिनिधि और पर्यटन स्टेकहोल्डर इस मार्ट में प्रत्यक्ष सहभागिता कर रहे हैं .इनमें यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, स्पेन, इटली, ग्रीस, नीदरलैंड्स, पोलैंड, फिनलैंड, बुल्गारिया, बेलारूस, अल्बानिया, हंगरी और स्लोवाकिया जैसे प्रमुख यूरोपीय राष्ट्र शामिल हैं . अमेरिकी महाद्वीप से संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको; एशिया-प्रशांत क्षेत्र से ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, इंडोनेशिया, फिलीपींस और श्रीलंका; तथा पश्चिम एशिया व अफ्रीका से संयुक्त अरब अमीरात, इजराइल, मॉरीशस, केन्या और रूस के प्रमुख टूर ऑपरेटर्स व ट्रैवल लेखक भोपाल पहुंच चुके हैं . राष्ट्रीय स्तर पर भी देश के 15 से अधिक राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों जिनमें दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गोवा, हरियाणा, ओडिशा तथा जम्मू और कश्मीर के 180 से अधिक प्रमुख घरेलू टूर ऑपरेटर्स भाग ले रहे हैं .

खेत बचाओ अभियान इसी माह से

- दलहन-तिलहन उत्पादन लक्ष्य से आगे
- प्राकृतिक खेती से जुड़े 27 .32 लाख किसान

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में सोमवार को कृषि भवन में मंत्रालय की पहली समग्र मासिक समीक्षा बैठक हुई.

बैठक में कृषि योजनाओं की प्रगति, डिजिटल कृषि, प्राकृतिक खेती, दलहन-तिलहन उत्पादन, फसल बीमा और ग्रामीण ढांचे की समीक्षा की गई.चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट विजन है कि सरकारी योजनाओं का लाभ केवल फाइलों में नहीं,



बल्कि किसानों की जिंदगी में दिखाई देना चाहिए.

चौहान ने बताया कि देश में अब तक 10.77 करोड़ से अधिक किसानों की फार्मर आईडी बनाई जा चुकी हैं.14 करोड़ किसानों को डिजिटल रूप से जोड़ने के लक्ष्य की दिशा में इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया गया.खरीफ सीजन में 26.73 करोड़ से अधिक खेतों का डिजिटल सर्वे भी पूरा किया जा चुका है.

22 अक्टूबर से खेत बचाओ अभियान- बैठक में बताया गया कि मिट्टी की सेहत, पराली प्रबंधन और संतुलित उर्वरक उपयोग को लेकर 22 अक्टूबर से देशभर में 'खेत बचाओ अभियान' शुरू होगा.कृषि वैज्ञानिक और मैदानी अमला किसानों के खेतों तक पहुंचकर मिट्टी जांच और पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी देगा.

दलहन-तिलहन में लक्ष्य पार- वर्ष 2025-26 में दलहन उत्पादन 266 लाख टन के लक्ष्य के मुकाबले 274.09 लाख टन रहा.तिलहन उत्पादन भी 427 लाख टन के लक्ष्य से बढ़कर 430.59 लाख टन पहुंचा.चौहान ने कहा कि देश को दालों और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने पर सरकार का जोर है.

प्राकृतिक खेती से अब तक 27.32 लाख किसान जुड़े हैं और 12.85 लाख हेक्टेयर क्षेत्र इसके दायरे में आया है .वहीं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों का नामांकन 23 प्रतिशत बढ़कर 2.83 करोड़ हो गया है .मंत्री ने लंबित दावों के जल्द निपटारे के निर्देश दिए . कृषि अवसंरचना कोष के तहत 1.01 लाख करोड़ रुपए से अधिक के ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं .बैठक में धीमे राज्यों और जिलों को योजनाओं का लाभ तेजी से किसानों तक पहुंचाने की हिदायत दी गई .चौहान ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह मुख्यमंत्रियों से सीधे बात कर अड़चन दूर करेंगे .

विशेष | बूथ स्तर पर मजबूती और जनसंपर्क पर केंद्रित रही रणनीति

खंडार में भाजपा की चुनावी बिसात

जयपुर. आगामी स्थानीय निकाय, पंचायत समिति और जिला परिषद चुनावों की तैयारियों को लेकर खंडार भाजपा मंडल की एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसका मुख्य उद्देश्य चुनावी समर में जीत सुनिश्चित करने के लिए संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाना था.

बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेताओं ने स्पष्ट किया कि चुनाव जीतने की कुंजी बूथ प्रबंधन में निहित है. कार्यकर्ताओं से प्रत्येक बूथ, मजबूत बूथ के संकल्प को धरातल पर उतारने का आह्वान किया गया. इसके तहत पन्ना प्रमुखों और बूथ समितियों को सशक्त बनाने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई ताकि चुनावी प्रक्रिया में हर स्तर पर पार्टी की पकड़ मजबूत बनी रहे. पार्टी ने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया. कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए कि वे उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं. यह जनसंपर्क अभियान पार्टी की चुनावी रणनीति का एक अहम हिस्सा माना जा रहा है.



कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार- खंडार नगरपालिका अध्यक्ष पद पर हाल ही में मिली जीत से उत्साहित कार्यकर्ताओं को एकजुटता का संदेश दिया गया. नेताओं ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनसेवा के संकल्प को पूरा करने के लिए सभी को व्यक्तिगत आकांक्षाओं से ऊपर उठकर कमल के निशान के लिए काम करना होगा.

मायावती के जमीनी राजनीति में लौटने के संकेत

- यूपी के चुनाव से पहले बसपा को मजबूत करने में जुटीं

लखनऊ. बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती जमीनी राजनीति में लौट रही हैं. पिछले करीब एक पखवाड़े में उनकी सक्रियता देखकर यही संकेत मिल रहे हैं कि वे आम जन से सीधा संपर्क बनाकर पार्टी को मजबूत करने की कोशिश में जुटने वाली हैं.

वास्तव में मायावती के लिए यूपी का अगला चुनाव बड़ी चुनौती है. बसपा अब अपने अस्तित्व के लिए लड़ रही है. उसका न तो अब लोकसभा या राज्यसभा में कोई सांसद है, न ही उत्तर प्रदेश विधानसभा में विधायक या एमएलसी है. ऐसे में बसपा की राष्ट्रीय पार्टी की मान्यता खतरे में है.

अपने भतीजे और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद को पार्टी से हटाने के बाद पार्टी अध्यक्ष मायावती पहले से कहीं अधिक सक्रिय हो गई हैं. वे उत्तर प्रदेश में कुछ माह बाद होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी संगठन को मजबूत बनाने में ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाती दिख रही हैं. उत्तर प्रदेश में अगले साल फरवरी-मार्च में संभावित विधानसभा चुनाव में बसपा के लिए जरूरी है कि वह कुछ सीटें जीते. यदि ऐसा नहीं होता है तो मायावती और उनकी पार्टी का भविष्य संकट में फंस जाएगा.



2017 से गतिविधियां सीमित

मायावती ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों से मिलने जाने के बारे में एक्स पर एक पोस्ट शेयर की. उनके इस कदम ने पार्टी के कई लोगों को चौंका दिया. ऐसा इसलिए, क्योंकि मई 2017 में सहारनपुर में दलितों और ठाकुरों के बीच झड़प के बाद से उन्होंने जमीनी स्तर पर जनता से सीधा संपर्क नहीं किया है.

जमीनी संपर्क से जीत की राह बनाने की कोशिश

बसपा के सूत्रों का मानना है कि एक जन-नेता और यूपी की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती के लिए बसपा के समर्थन को वोटों में बदलना कोई चुनौती नहीं होगी . पार्टी के एक पदाधिकारी ने कहा, बहनजी का बहुत बड़ा प्रभाव है . हालांकि आकाश आनंद के पार्टी में आने के बाद उनका बाहर निकलना कम हो गया था, लेकिन अब जब पार्टी नेता चाहते हैं कि वे आगे बढ़कर नेतृत्व करें, तो वे जमीनी स्तर की राजनीति में लौटने के लिए तैयार हैं . यही उनकी खासियत रही है .